बरेली, रविवार
7 जून, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
RNI 2014-4-28

दैनिक जागरण inext

PAGE NO, 07, TOP

कमला न जाता ब्लड कसर का जंग, सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट

पीठ दर्द की समस्या से परेशान कमला की जांच में पाया गया था मल्टीपल मायलोमा

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (6 June):एक साल से अधिक समय से पीठ दर्द से परेशान उत्तराखंड के बनबसा की 47 वर्षीय कमला ने मल्टीपल मायलोमा (ब्लड कैंसर) से जंग जीत ली है. 19 मई को एसआरएमएस मेडिकल कालेज में उनका सफल आटोलोगस बोन मैरो ट्रांसप्लांट (अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण) हुआ. 19 दिन तक आइसीयू में कोरेंटाइन रखने के बाद उन्हें छह जून को वार्ड में शिफ्ट किया गया.

19 दिन आईसीयू में रखा

जल्द ही उन्हें छुट्टी देकर घर भेजा जाएगा और वह धीरे-धीरे सामान्य जीवन जी सकेंगी. कमला के पति सेवानिवृत्त फौजी हैं. पीठ में दर्द होने पर कमला ने डाक्टरों से परामर्श लिया लेकिन दर्द ठीक नहीं हुआ. इस पर उन्होंने एसआरमएस मेडिकल कालेज में दिखाया. यहां जांच में पता चला कि उन्हें मल्टीपल मायलोमा है. उन्हें पहले टारगेटेड थेरेपी और कीमोथेरेपी के जरिये कैंसर मुक्त किया गया. मल्टीपल मायलोमा के दोबारा होने के खतरे को कम करने के लिए उनका बोन मैरो ट्रांसप्लांट किया गया. इसके बाद मरीज को कोरेंटाइन कर विशेष देखरेख की गई. मरीज की लड़ने की इच्छाशक्ति से कोई दिक्कत नहीं हुई.

इच्छाशक्ति जरूरी

क्लीनिकल हेमेटोलाजिस्ट डा. दिशा सत्या ने बताया कि बोन मैरो ट्रांसप्लांट में मरीज के खुद या डोनर से स्वस्थ स्टेम सेल्स निकालकर मरीज के रक्त प्रवाह में ट्रांसफ्यूज किए जाते हैं. इसका उपयोग ब्लड कैंसर, थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है. बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन में मरीज का बोन मैरो और डोनर के बोन मैरो से मेल खाना जरूरी है. यह दो प्रकार का आटोलोगस और एलोजेनिक ट्रांसप्लांट होता है.

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

कमला ने जीती ब्लड कैंसर की जंग, सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट

मल्टीपल मायलोमा का बोन मैरो ट्रांसप्लांट से नियंत्रण बेहतर : डा. अनादि

मेडिकल ऑकोलाजिस्ट डा. श्रीनिवास अनादि नायडू ने बताया कि मल्टीपल मायलोमा ब्लड कैंसर का एक प्रकार है, जो बोन मैरो में मौजूद प्लाज्मा कोशिकाओं को प्रभावित करता है और इससे हड्डियां कमजोर हो जाती हैं. रीढ़ और छाती की हड्डियों में तेज दर्द, अत्यधिक थकान और कमजोरी, खून की कमी, रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने से बार-बार बीमार होना मल्टीपल मायलोमा के सामान्य लक्षण हैं. कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने वाली दवाएं यानी कीमोथेरेपी और टारगेटेड थेरेपी, हड्डियों के दर्द में राहत दिलाने और ट्यूमर को सिकोड़ने के लिए रेडिएशन थेरेपी और स्टेम सेल ट्रांसप्लांट से मल्टीपल मायलोमा को नियंत्रित किया जाता है.